एम.ए हिंदी कार्यक्रम
द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य
(जुलाई 2026 और जनवरी 2027 सत्रों के लिए)

वैकल्पिक पाठ्यक्रम :

मॉडयूल '4' : मध्यकालीन कविता

एम.एच.डी – 21 : मीरा का विशेष अध्ययन
एम.एच.डी – 22 : कबीर का विशेष अध्ययन
एम.एच.डी – 23 : मध्यकालीन कविता –1
एम.एच.डी – 24 : मध्यकालीन कविता –2

सत्रीर्य कार्य

जुलाई –2026 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2027
जनवरी – 2027 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2027

एम.एच.डी – 21 मीरा का विशेष अध्ययन
सत्रीय कार्य
(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : MHD–21
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी–21/2026-2027
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्याशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10× 3=30

(क) करनां फकीरी क्या दिलगीरी, सदा मगन मन रहना रे।
कोई दिन बाड़ी तो कोई दिन बँगला, कोई दिन जंगल रहना रे।।
कोई दिन हाथी कोई दिन घोड़ा, कोई दिन पांवों चलना रे।।
कोई दिन गादी कोई दिन तकिया, कोई दिन भोय में पड़ना रे।।
कोई दिन खाना तो कोई दिन पीना, कोई दिन भूखे ही मरना रे।।

(ख) राणॉजी हूँ तो गिरधर कै मन भाई।
जैमल कै घरि जनम लियो है, राणॉ नैं परणाई।
सॉचा सनेही म्हारै रामसंतजन, जासूं प्रीति लगाई।।
पुरबै जनम की होती गोपक्या, चूक पड़ी मुझि मांहीं।
जगत लाज उपजी घट भींतर, तब हरि नैं छिटकाई।।
जै पकड़ोगा हाथ हमारो, खबरदार मन मॉही।

(ग) अब कोऊ कछु कहो दिल लागारै
जाकी प्रीत लगी लालन से, कंचन मिला सुहागा रै।
हंसा की प्रकृत हंसा जाणे, का जाणैं नर कागा रै।।
तन भी लागा मन भी लागा, ज्यों बामण गल धागा रै।
मीरां के प्रभु गिरधरनागर, भाग हमारा जागा रै।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए : 15×3=45

i. भक्ति आंदोलन में मीरा के महत्व पर प्रकाश डालिए।
ii. मध्यकालीन भारतीय भक्त कवयित्रियों का परिचय दीजिए।
iii. मीरा की काव्यभाषा की विशिष्टताओं की विवेचना कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए : 5×5=25

i. भक्ति आंदोलन के प्रेरक आचार्य
ii. भारतीय चिन्तन परंपरा में कृष्ण
iii. मीरा के आराध्य
iv मीरायुगीन दार्शनिक पृष्ठभूमि
v. प्रगतिशील आलोचना में मीरा